



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (1)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 389]
No. 389]

नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 20, 1996/कार्तिक 29, 1918
NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 20, 1996/KARTIKA 29, 1918

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 नवम्बर, 1996

सं. 36/96-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन. टी.)

सा. का. नि. 531 (अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (9वाँ संशोधन) नियम, 1996 है ।
(ii) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. उक्त नियमों में,—

- (i) नियम 2 में खंड (1क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1क) निर्धारण से समुचित अधिकारी द्वारा किया गया निर्धारण अधिप्रेत है और इसके अन्तर्गत निर्धारिती द्वारा किया गया शुल्क का स्वतःनिर्धारण, समुचित अधिकारी द्वारा पुनर्निर्धारण, नियम 9ख के अधीन अनन्तिम निर्धारण, नियम 37क के अधीन संक्षेपतः निर्धारण, नियम 173थ के अधीन सर्वोत्तम विवेकबुद्धि के अनुसार निर्धारण और ऐसा कोई निर्धारण आदेश है जिसमें निर्धारित शुल्क शून्य है;”

- (ii) नियम 9ख में,—

(क) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी,—

- (क) जहां निर्धारिती, किसी दस्तावेज या किसी जानकारी के उपबन्धन न होने के कारण अधिनियम की धारा 4 के अनुसार शुल्क्य माल का मूल्य अवधारित करने में असमर्थ हों ; या
- (ख) जहां निर्धारिती, नियम 173ख के अधीन घोषणापत्र भरते समय माल का मही वर्गीकरण अवधारित करने में असमर्थ हों;

वहां उक्त निर्धारिती, समुचित अधिकारी से शुल्क का अनन्तिम निर्धारण करने के लिए कारण देते हुए लिखित में निवेदन कर सकता है और

समुचित अधिकारी ऐसी जांच के पश्चात् जैसी वह उचित समझे निदेश देगा कि ऐसी दर या मूल्य पर (यह आवश्यक नहीं है कि वह निर्धारिती द्वारा घोषित दर या कीमत हो) जो उसके द्वारा उपदर्शित किया जाए, उस दशा में अनन्तिम रूप से निर्धारित किया जाएगा जब ऐसा निर्धारिती समुचित प्ररूप में ऐसे प्रतिभूति या ऐसी पर्याप्त प्रतिभूति सहित जो ऐसी रकम या ऐसी शर्तों के अधीन होगी जिन्हें समुचित अधिकारी उचित समझे, अनन्तिम रूप से निर्धारित और अन्तिम रूप से निर्धारित शुल्क की रकम के अंतर का संदाय करने के लिए अपने को आबद्ध करते हुए, बंधपत्र निष्पादित करता है :

परन्तु यह कि निर्धारिती द्वारा समुचित अधिकारी को प्रस्तुत किए गए ऐसे निवेदन के अन्तर्गत आने वाले शुल्क्य माल की बाबत सभी तारीखवार अभिस्वीकृत निकासियों के सम्बन्ध में यह समझा जाएगा कि वे निर्धारिती द्वारा यथाघोषित दर या मूल्य पर शुल्क के लिए अनन्तिम रूप से निर्धारित किए जा चुके हैं जब तक कि समुचित अधिकारी का निदेश जारी और निर्धारिती को संसूचित न कर दिया जाए :

परन्तु यह और कि जहां समुचित अधिकारी का समाधान हो जाए कि निर्धारिती द्वारा किया गया स्वतः निर्धारण ठीक नहीं है, वहां उसे अनन्तिम निर्धारण करवाने का निदेश देगा और ऐसा निदेश प्राप्त होने पर निर्धारिती उन निदेशों का पालन करेगा ।”;

(ग) उपनियम (5) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(6) इस नियम में स्वतः निर्धारण का उपबंध होते हुए भी, अनन्तिम निर्धारण के मामलों में, अन्तिम निर्धारण समुचित अधिकारी द्वारा किया जाएगा ।”;

(iii) नियम 52क में,—

(क) उपनियम (2) में,—

“मूल प्रति क्रेता के लिए होगी, दूसरी प्रति परिवहक के लिए होगी, तीसरी प्रति आरटी 12 विवरणी या इन नियमों के अधीन विहित वैसी ही विवरणी के साथ भेजी जाएगी और चौथी प्रति विनिर्माता द्वारा रख ली जाएगी” शब्दों, अक्षरों और अंकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“मूल प्रति क्रेता के लिए होगी, दूसरी प्रति परिवहक के लिए होगी और तीसरी प्रति विनिर्माता रखेगा ।”;

(ख) उपनियम (3) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(3) बीजकों की प्रतियों पर सबसे ऊपर स्पष्ट अक्षरों में निम्नलिखित रीति से लिखा जाएगा, अर्थात् :—

(i) मूल प्रति पर “मूल प्रति क्रेता के लिए”

(ii) दूसरी प्रति पर “दूसरी प्रति परिवहक के लिए” (नियम 57छ और 57न के अधीन उधार लेने के लिए प्रयुक्त किया जाएगा);

(iii) तीसरी प्रति पर “तीसरी प्रति निर्धारित के लिए” चिह्नित होगी,

(iv) नियम 173ग में, उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“(3क) निर्धारिती समुचित प्राधिकारी के सामने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क आयुक्त द्वारा यथा अपेक्षित प्ररूप में और रीति में और अन्तरालों पर अपना विपणन पैटर्न और डिस्काउंट संरचना और ऐसी अन्य विशिष्टियां घोषित करेगा ।”;

(v) नियम 173च में “उत्पाद-शुल्क्य माल पर शोध्य शुल्क के लिए अपने दायित्व का स्वतः निर्धारण करेगा”, शब्दों के स्थान पर “उत्पाद-शुल्क्य माल पर शोध्य शुल्क स्वतः निर्धारित करेगा” शब्द रखे जाएंगे ।

(vi) नियम 173छ में, उपनियम (8) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम जोड़ा जाएगा, अर्थात् :—

“(9) प्रत्येक निर्धारिती आयुक्त द्वारा यथाविनिर्दिष्ट अवधि के लिए और रीति में लेखा बहियों, दस्तावेजों और फ्लापियों को जहां कोई दस्तावेज कम्प्यूटर पर भरा गया हो, परिरक्षित करेगा ।”;

(vii) नियम 173झ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“173झ. समुचित अधिकारी द्वारा संवीक्षा—(1) समुचित अधिकारी निर्धारिती द्वारा नियम 173छ के उपनियम (3) के अधिन फाइल की गई विवरणी में अन्तर्विष्ट जानकारी के आधार पर और ऐसी अतिरिक्त जांच के पश्चात् जैसी वह आवश्यक समझता है, हटाए गए माल पर निर्धारिती द्वारा निर्धारित शुल्क के सही होने की संवीक्षा करेगा ।”

(2) समुचित अधिकारी, निर्धारिती से बीजकों और अन्य दस्तावेजों जब कभी अपेक्षित हों, सत्यापन के लिए प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकता है ।

(3) यदि संवीक्षा करने पर या अन्यथा, समुचित अधिकारी की यह राय हो कि किसी माल पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क उद्ग्रहीत नहीं किया गया है या संदत्त नहीं किया गया है या कम शुल्क संदत्त किया गया है, या शुल्क का स्वतः निर्धारण सही विधिमान्य या समुचित रूप से नहीं किया गया है और न संदत्त किया गया है वहां वह निर्धारिती से अपेक्षा कर सकेगा कि वह माल

पर संदेय शुल्क के निर्धारण के लिए सुसंगत समझे जाने वाले उसके कब्जे में के कोई दस्तावेज या अभिलेख प्रस्तुत करे और जैसे वह उचित समझे वैसा निर्धारण आदेश पारित कर सकता है । परन्तु यह कि इस प्रकार निर्धारित शुल्क अधिनियम की धारा 11क के उपबंधों के अनुसार वसूल किया जाएगा ।

- (4) यदि समुचित अधिकारी द्वारा संवीक्षा किए जाने पर या अन्यथा उसकी यह राय हो कि निर्धारिती द्वारा निर्धारित शुल्क संदेय शुल्क से अधिक है, तो उक्त शुल्क का, अधिनियम की धारा 11ख के अनुसार प्रतिसंदाय किया जाएगा ।
- (5) निर्धारिती द्वारा विलम्बित संदाय पर ब्याज बोर्ड द्वारा धारा 11क के अनुसार दर पर संदत्त किया जाएगा । इसके अतिरिक्त, जहां शुल्क कम उद्ग्रहीत किया हो या कम संदत्त किया गया हो या कपट, दुराभिसंधी या तथ्यों का जानबूझ कर अशुद्ध कथन या छिपाए जाने के कारण गलत प्रति संदाय अथवा अधिनियम के किन्हीं उपबन्धों का उल्लंघन किया गया हो वहां अधिनियम की धारा 11कख के उपबंधों के अनुसार ब्याज संदत्त किया जाएगा । प्रतिसंदाय पर निर्धारिती को धारा 11खख के अनुसार बोर्ड द्वारा उक्त धारा के अनुसार नियत दर पर ब्याज संदत्त किया जाएगा ।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क शृंखला

सं. 79-ख

मूल प्रति

दूसरी प्रति

प्ररूप आर. टी. - 12

तीसरी प्रति

(नियम 173-छ)

चौथी प्रति

पांचवी प्रति

निर्धारिती द्वारा अध्याय VIIक के अन्तर्गत शुल्क का संदाय किए बिना विनिर्मित प्राप्त और जारी किए गए शुल्क-माल के संबंध में मासिक/त्रैमासिक विवरणी

रेंज	कोड	वित्तीय वर्ष
प्रभाग	कोड	मास/अवधि
कमिश्नरेट	कोड	

राज्य कोड

उत्पाद शुल्क नियंत्रण कोड सं.

निर्धारिती का नाम और पता

कारखाने/भांडागार की अवस्थिति

डिपुओं/परेषण एजेंटों की अवस्थिति

रजिस्ट्रीकरण संख्या

बैंक शाखा कोड सं.

बीजक और टैरिफ शीर्ष/उपशीर्ष में दिए गए के अनुसार माल का विवरण	यूनिट	मास/अवधि के दौरान विनिर्मित मात्रा	किसी भी उपबंध के अंतर्गत बाहर से प्राप्त मात्रा	शुल्क के संदाय पर निकासी की गई मात्रा
---	-------	---------------------------------------	---	--

1	2	3	4	5
शुल्क मुक्त निकासी की मात्रा	शुल्क के संदाय पर हटाए गए माल का मूल्य	शुल्क की दर (और अधिसूचना यदि कोई दावा किया गया हो)	संदत्त शुल्क/संदत्त राशि पी. एल. ए. माडवेट	
6	7.	8	9	

टिप्पणियाँ

1. प्रत्येक टैरिफ उप-शीर्ष और प्रत्येक बीजक के लिए एक अलग प्रविष्टि की जानी चाहिए। प्रविष्टियाँ आर. जी. 1 पर आधारित होनी चाहिए। यदि उसी उप-शीर्ष के अन्तर्गत छूट अधिसूचनाओं (आंशिक और पूरी छूट सहित) द्वारा शुल्कों की विभिन्न दरें नियत की गई हैं और/अथवा विभिन्न वर्गीकरण का उपबंध किया गया है तो विवरणी में दर-वार ब्यौरा दिया जाना चाहिए। आयुक्त पूर्वोक्त के संबंध में सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा शिथिल कर सकता है।
2. मूल्यानुसार शुल्कों के मामले में, टैरिफ मूल्य, जहां विहित किया गया है, के आधार पर निर्धार्य शुल्क्य माल के संबंध में और ऐसे माल के संबंध में जिसका केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 4 के अंतर्गत मूल्य का निर्धारण किया गया हो, के संबंध में अलग-अलग प्रविष्टियाँ की जानी चाहिए।
3. नियम 51क, 56ख 173ज, 173ड, 173ड इत्यादि के अंतर्गत प्राप्त मात्राओं को स्तंभ 4 में अलग-अलग अनुप्रस्थ पंक्तियों में एक के नीचे एक के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए।
4. घरेलू खपत के लिए कारखाने के गेट से और डिपुओं से कारखाने से बाहर निकासी किए गए माल की मात्रा और नियम 712(1)(क) और 12(1)(ख) नियम 49(3), नियम 57ग, अध्याय X के अन्तर्गत निर्यात के लिए निकासी की गई माल की मात्रा को और कारखानागत प्रयोग के लिए माल की मात्रा को स्तंभ 5 में विभिन्न अनुप्रस्थ पंक्तियों में एक के नीचे एक के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए।
5. नियम 13(1)(क), 13(1)(ख), 13(1)(ग), 17(ड), 1730, 49(3) के अन्तर्गत नष्ट करने के लिए यदि कोई हो, और किसी अन्य प्रयोजनों के लिए की गई निकासियों को स्तंभ 6 में विभिन्न अनुप्रस्थ पंक्तियों में एक के नीचे एक के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए।
6. शुल्क के संदाय पर विभिन्न नियमों के अन्तर्गत निकासी किए गए माल के मूल्य को स्तंभ 7 में विभिन्न अनुप्रस्थ पंक्तियों में एक के नीचे एक रूप में अलग-अलग वर्णित किया जाना चाहिए और उसका कुल योग भी दिया जाना चाहिए।
7. जहां निर्धारिती को व्यक्तिगत खाता लेखा (लैजर एकाउंट) रखने से छूट दी गई हो, तो शुल्क आदि को जमा करने से संबंधित ब्यौरों को पी. एल. ए./आर. जी.-23 के मासिक उद्धरणों के संक्षिप्त सार अन्तर्गत दर्शित किया जाना चाहिए।
8. नियम 56ख के अंतर्गत प्राप्त माल से उत्पादित मात्रा, जिसे प्राप्त करने वाले कारखाने से घरेलू खपत के लिए या निर्यात के लिए सीधे ही हटाया जाना हो, को स्तंभ 4 में दिखाया जाना चाहिए।
9. जहां समेकित प्रविष्टि अनुज्ञात की गई है, वहां प्रत्येक उपशीर्ष और प्रत्येक बीजक के संबंध में संदत्त शुल्क के ब्यौरों की प्रविष्टि की जाएगी।

स्वतः निर्धारण ज्ञापन

- (क) मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने उक्त विशिष्टियों का अपने कारखाने/भांडागार के अभिलेखों और बहियों से मिलान किया है और उनका कथन सही रूप से किया गया है।
- (ख) मैंने/हमने मूल्यांकन नियम, 1975 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 4 के निबन्धनों के अनुसार और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 173ख और 173ग के अंतर्गत मेरे/हमारे द्वारा दाखिल की गई घोषणाओं के अनुसार निकासी दस्तावेजों के आधार पर शुल्क का निर्धारण किया है।
- (ग) मैं/हम टी. आर.-6 चालानों (प्रतिसंलग्न है) वैयक्तिक खातों लेखा पर्सनल लैजर अकाउंट (पी.एल.ए.) की मूल और दूसरी प्रति (प्रति संलग्न है), आर.जी.-23क भाग-II और आर.जी. 23 ग भाग-II (प्रति संलग्न है) की मौलिकता को प्रमाणित करता हूँ/करते हैं।
- (घ) क्रम सं. से लेकर तक की क्रम सं. वाले बीजकों/निकासी दस्तावेजों के अंतर्गत निकासी किए गए माल पर लगाए गए शुल्क और इस विवरणी में सम्मिलित किये गये शुल्क का अंतिम रूप से निर्धारण नियम 9ख के अंतर्गत किया गया है।
- (ङ) क्रम सं. से लेकर तक की क्रम सं. वाले बीजकों/निकासी दस्तावेजों के अंतर्गत निकासी किए गए और इस विवरणी में सम्मिलित माल पर शुल्क को विरोध स्वरूप संदत्त किया गया है।
- (च) मास के दौरान क्रम सं. से लेकर तक की क्रम सं. वाले बीजकों/निकासी दस्तावेजों को जारी किया गया है।
- (छ) मास के दौरान नियम 57/57घ के अंतर्गत क्रम सं. से लेकर तक की क्रम सं. वाले चालानों को जारी किया गया है।

(जो लागू नहीं होता है उस भाग को काट दें)

स्थान :

तारीख

निर्धारिती या उसके प्राधिकृत हस्ताक्षरी का
नाम बड़े अक्षरों में और हस्ताक्षर

पावती

प्राप्ति की तारीख

हस्ताक्षर और प्राधिकारिक मुद्रा

पी.एल.ए.-आर.जी. 23 का मासिक सार

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	पी.एल.ए.	आर.जी. 23 क भाग II	आर.जी. 23 ग भाग II	स्तम्भ (2) और (3) का योग
	मूल अतिरिक्त उपकर	मूल अतिरिक्त	मूल अतिरिक्त	मूल अतिरिक्त
(i) मास/अवधि के प्रारम्भ में आदि-शेष				
(ii) सीधे नकद/चैक द्वारा प्राप्त				
(iii) ग्राहकों/स्वयं के अंतर्गत क्रेडिट :-				
(क) मूल उत्पाद शुल्क द्वारा				
(ख) अतिरिक्त सीमा शुल्क द्वारा				
(iv) विविध क्रेडिट				
(v) कुल				
(vi) मास/अवधि के दौरान निकालित				
(vii) अंत अतिशेष				

टिप्पण :- जहां माल पर एक से अधिक अधिनियमित के अंतर्गत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क लगाया जाता है, वहां आंकड़े पृथक से दिखाये जाने चाहिए, उदाहरण के तौर पर, टैक्सटाइल माल के लिए, विशेष महत्व के माल संबंधी अधिनियम के अंतर्गत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और टैक्सटाइल तथा टैक्सटाइल वस्तु अधिनियम के अंतर्गत अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के संबंध में पृथक-पृथक आंकड़े उपदर्शित किए जाने चाहिए।

(ख) प्ररूप आर.जी. 23 क में भाग II के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

भाग II

शुल्क क्रेडिट की प्रविष्टि बही

क्रम सं.	तारीख	क्रेडिट में शुल्क	अन्य	किया गया नया क्रेडिट (4 से 6)						
		का आदि अति-शेष मूल उत्पाद (विनिर्दिष्ट शुल्क और मूल उत्पाद शुल्क के बराबर अतिरिक्त सीमा शुल्क	शुल्क	ए.आर.1/बीजक प्रदायकर्ता का जहां से प्राप्त किया गया	प्रदायकर्ता का जहां से प्राप्त किया गया	भाग 1 में फोलियों और अन्य अनुमोदित उत्पाद शुल्क	मूल उत्पाद शुल्क	अनुमत किया गया नया क्रेडिट	क्रेडिट की गई शुल्क की रकम	
		करें)	दस्तावेज/आगम पत्र की सं. और तारीख	नियंत्रण रंग	वह रेंज/प्रभाग प्रविष्टि सं.	सीमा शुल्क	गृह	मूल उत्पाद शुल्क	मूल उत्पाद शुल्क के बराबर अतिरिक्त सीमा शुल्क	अन्य शुल्क (विनिर्दिष्ट करें)
1	2	3(क)	3(ख)	4(क)	4(ख)	5	6	7(क)	7(ख)	7(ग)
कुल उपलब्ध क्रेडिट		(3)+(7)	डेबिट (9 से 11)							
मूल उत्पाद शुल्क और मूल उत्पाद शुल्क के बराबर अतिरिक्त सीमा शुल्क	अन्य शुल्क (विनिर्दिष्ट करें)	ए.आर. 1/ बीजक/अन्य अनुमोदित दस्तावेज सं. और तारीख	क्रे.उ.शु. टैरिफ उप-शीर्ष	क्रेता का ई.सी. कोड	मूल उत्पाद शुल्क	अन्य शुल्क (विनिर्दिष्ट करें)	मूल उत्पाद शुल्क और मूल उत्पाद शुल्क के बराबर अतिरिक्त सीमा शुल्क	अन्य शुल्क (विनिर्दिष्ट करें)	क्रे.उ.शु. अधिकारियों के हस्ताक्षर	
8(क)	8(ख)	9(क)	9(ख)	9(ग)	10	11	12(क)	12(ख)	13	14

(ग) प्ररूप आर.जी. 23 ग में भाग II के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पणी रखा जाएगा, अर्थात् :—

भाग II

पूँजीगत माल पर शुल्क क्रेडिट की प्रविष्टि बही

क्रम सं.	तारीख	क्रेडिट में शुल्क का आदि अतिशेष	अनुमत नए क्रेडिट की दस्तावेजों विशिष्टियां			अनुमत नए क्रेडिट की रकम		
			ए.आर.1/बीजक/ अन्य अनुमोदित आगम दस्तावेज/पत्र सं. और तारीख	प्रदायकर्ता का उत्पाद शुल्क नियंत्रण कोड सं.	रेंज/प्रभाग/सीमा भाग-I में शुल्क गृह जहां से प्राप्त किया गया।	फोलियो और प्रविष्टि सं.	मूल उत्पाद शुल्क अतिरिक्त सीमा शुल्क	
1	2	3	4(क)	4(ख)	5	6	7(क)	7(ख)
कुल उपलब्ध क्रेडिट		क्रेडिट ए.आर. 1/ बीजक/अन्य अनुमोदित दस्तावेज सं. और तारीख	के.उ.शु. टैरिफ शीर्षक/उप-शीर्षक सं.	क्रेता का उत्पाद शुल्क नियंत्रण कोड सं.	मूल उत्पाद शुल्क की रकम	क्रेडिट का अतिशेष	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारी के हस्ताक्षर	टिप्पणियाँ
8		9(क)	9(ख)	9(ग)	10	11	12	13

[फा. सं. 206/1/96-सी. एक्स-6]

आई. पी. लाल, उप सचिव

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)**

NOTIFICATION

New Delhi, the 20th November, 1996

36/96-CENTRAL EXCISE (N.T.)

G.S.R. 531(E).—In exercise of the powers conferred by section 37 of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Excise Rules, 1944 (hereinafter referred to as the said rules), namely :—

1. (I) These rules may be called the Central Excise (Ninth Amendment) Rules, 1996.
(II) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the said rules,—
 - (i) in rule 2 for clause (ia), the following shall be substituted, namely :—
“(ia) assessment means assessment made by the proper officer and includes self assessment of duty made by the assessee, reassessment by the proper officer, provisional assessment under rule 9B, summary assessment under rule 37A, best judgement assessment under rule 173Q and any order of assessment in which the duty assessed is nil.”;
 - (ii) In rule 9B,—
 - (a) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—
“(1) Notwithstanding anything contained in these rules,—
(a) where the assessee is unable to determine the value of excisable goods in terms of section 4 of the act on account of non-availability of any document or any information; or
(b) where the assessee is unable to determine the correct classification of the goods while filing the declaration under the 173B;

the said assessee may request the proper officer in writing giving the reasons for provisional assessment to duty, and the proper officer may direct after such inquiry as he deems fit, that the duty leviable on such goods shall be assessed provisionally at such rate or such value (which may not necessarily be the rate or price declared by the assessee) as may be indicated by him, if such assessee executes a bond in the proper form with such surety or sufficient security in such amount, or under such conditions as

the proper officer deems fit, binding himself for payment of difference between the amount of duty as provisionally assessed and as finally assessed :

Provided that all clearances in respect of excisable goods covered under such request by the assessee submitted with the proper officer under the dated acknowledgement shall be deemed to be cleared as provisionally assessed to duty at such rate or at such value as declared by the assessee, till the date when the direction of the proper officer is issued and communicated to the assessee:

Provided further that the proper officer where he is satisfied that the self-assessment made by the assessee is not in order, he may direct him to resort to provisional assessment and on receipt of such directions the assessee shall comply with such directions.”;

(b) after sub-rule (5), following sub-rule shall be added, namely :—

“(6) Notwithstanding the provisions of self-assessment in this rule, in cases of provisinial assessment, the final assessment shall be made by the proper officer.”.

(iii) in rule 52A,—

(a) in sub-rule (2), for the words, letters and figures

“The original copy shall be for the buyer, the duplicate for the transporter, the triplicate shall be sent alongwith the RT 12 return or similar return prescribed under these rules and the quadruplicate shall be retained by the manufacturer.” the words “The original copy shall be for the buyer, the duplicate for the transporter, and the triplicate shall be retained by the manufacturer.” shall be substituted;

(b) for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(3) The copies of the invoices shall be marked at the top in bold capital letters in the following manner, namely :—

(i) the original copy shall be marked as ORIGINAL FOR BUYER;

(ii) the duplicate copy shall be marked as DUPLICATE FOR TRANSPORTER (to be used for taking credit under rule 57G and rule 57T);

(iii) the triplicate copy shall be marked as TRIPLICATE FOR ASSESSEE.”

(iv) In rule 173C, after sub-rule (3), following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3A) The assessee shall declare to the proper officer his marketing pattern, discount structure and such other particulars in such form and in such manner and at such intervals as the Central Board of Excise and Customs or Commissioner of Central Excise may require.”

(v) In rule 173F, for the words “he shall himself determine his liability for the duty due on the excisable goods”, the words, “he shall himself assess the duty due on the excisable goods” shall be substituted;

(vi) In rule 173G, after sub-rule (B), the following sub-rule shall be added, namely :—

“(9) Every assessee shall preserve the books of accounts, documents and flopies where any document is generated on computer, for such periods and in such manner as may be specified by the Commissioner.”;

(vii) for rule 173-I, the following rule shall be substituted, namely :—

“173-I. Scrutiny by the proper officer.—(1) The proper officer may on the basis of information contained in the return filed by the assessee under sub-rule (3) of rule 173G, and after such further enquiry as he may consider necessary, scrutinise the correctness of the duty assessed by the assessee on the goods removed.

(2) The proper officer may require the assessee to produce invoices and other documents for verification as and when required.

(3) If on scrutiny or otherwise, the proper officer is of the opinion that duty of excise leviable on any goods has not been levied or paid or has been short levied or short paid or duty has not been correctly, legally or properly self-assessed and paid by the assessee, he may require the assessee to produce any document or records in his possession considered relevant to the determination of the duty payable on the goods and may pass such order of assessment as he thinks fit provided that duty so assessed shall be recovered in accordance with the provisions of section 11A of the Act.

(4) If on scrutiny by the proper officer or otherwise, he is of the opinion that the duty assessed by the assessee is paid in excess than what was payable, the said duty shall be refunded in accordance with section 11B of the Act.

(5) Interest on delayed payment shall be paid by the assessee at such rate as may be fixed by the Board in accordance with section 11AA. In addition, interest shall be paid, where duty is short levied or short paid or erroneously refunded by reason of fraud, collusion or any wilful mis-statements or suppression of facts or contravention of any of the provisions of the Act in accordance with provisions of section

11AB of the Act. Interest on refund shall be paid to the assessee in accordance with section 11BB and at such rate as may be fixed by the Board in terms of that section.

3. In Appendix-I to the said rules, under the heading "FORMS", under sub-heading "(II) Specimen forms",--
(a) for "FORM R.T. 12", the following Form shall be substituted, namely :--

ORIGINAL
DUPLICATE
TRIPLICATE
QUADRUPLICATE
QUINTUPPLICATE

CENTRAL EXCISE SERIES

NO. 79-B

FORM R.T. 12

(RULE 173-G)

Monthly/Quarterly return of Excisable Goods manufactured/received without payment of duty and issued by the assessee under Chapter VII-A.

RANGE..... CODE..... FINANCIAL YEAR.....
DIVISION..... CODE..... MONTH/PERIOD.....
COMMISSIONERATE..... CODE.....
STATE CODE.....
EXCISE CONTROL CODE NO.
NAME AND ADDRESS OF THE ASSESSEE.....
LOCATION OF FACTORY/WAREHOUSE.....
LOCATION OF DEPOTS/CONSIGNMENT AGENTS.....
REGISTRATION NO.
BRANCH BANK CODE NO.

Description of goods as appearing in the invoice and tariff heading/ sub-heading	Unit	Quantity manufactured during the month/ period.	Quantity received from outside under any provision.	Quantity cleared on payment of duty.
1	2	3	4	5

Quantity of duty free clearances.	Value of goods removed on payment of duty.	Rate of duty (and Notification if any claimed)	Duty paid/amount paid PLA	MODVAT
6	7	8	9	

NOTES

1. A separate entry should be made for each tariff sub-heading and each invoice. Entries should be based on RG 1. If within the same sub-heading there are different rates of duty fixed by exemption notifications (including partial and total exemption) and/or different classification have been provided, ratewise break-up should be given in the return. The Commissioner can relax the aforesaid by a general or special order.
2. In case of ad-valorem duties, separate entries should be made in respect of excisable goods assessable on the basis of tariff value where prescribed and those assessed on the value under section 4 of the Central Excise Act, 1944.
3. The quantities received under rules-51A, 56B, 173H, 173L 173M, etc. should be made on Col. 4 separately on different horizontal lines one below the other.
4. The quantity cleared outside the factory for home consumption, at factory gate and from the depot, for exports under rule 12(1)(a) and 12(1)(b), rule 49(3), rule 567CC chapter X and for captive consumption should be made on different horizontal lines one below the other in Col. 5.

- 5 The clearances under rules 13(1)(a), 139(1)(b), 13(1)(c), 173N, 173O, 49(3), for destruction if any, and for any other purposes should be made on different horizontal lines one below the other in Col. 6.
- 6 The value of goods cleared under various rules on payment of duty should be mentioned separately on different horizontal lines one below the other in Col. 7 and its grand total should also be given.
- 7 Where an assessee has been exempted from maintaining personal ledger account, the particulars relating to deposit etc. of duties shall be shown under the monthly abstract of PLA/RG-23.
- 8 Quantity produced out of goods received under rule 56B which is directly to be removed for home consumption or for export from the receiving factory should be indicated in column 4.
- 9 Where consolidated entry has been permitted, entries shall be made by entering the break up of duty paid in respect of each sub-heading and each invoice.

SELF ASSESSMENT MEMORANDUM

- (a) I/We declare that I/We have compared the above particulars with the records and books of my/our factory/warehouse and the correctly stated.
- (b) I/We have assessed the duty on the clearance documents in terms of section. 4 of the Central Excise act, 1944 read with the Valuation Rules, 1975 and in accordance with the declarations filed, by me/us under Rules 173B and 173C of the Central Excise rules, 1944.
- (c) I/We certify the genuineness of TR-6 challans (copy enclosed), Original and duplicates copy of Personal Ledger Account (PLA) (copy enclosed), RG-23A Part II and RG-23C Part II (copy enclosed).
- (d) Duty on the goods removed under invoices/clearances documents bearing Sl. No. to Sl. No. and included in this return, has been assessed provisionally under Rule 9B.
- (e) Duty on the goods removed under invoices/clearance documents bearing Sl. No. to Sl. No. and included in this return, has been paid under protest.
- (f) During the month invoices/clearance documents bearing Sl. No. to Sl. No. have been issued.
- (g) During the month challans under Rule 57F/57S bearing Sl. No. to Sl. No. have been issued.

(Strike out the portion not applicable)

Place :

Name in Capital Letters and Signature of
the Assessee or his Authorised Signatory.

Date :

ACKNOWLEDGEMENT**DATE OF RECEIPT :****SIGNATURE AND OFFICIAL SEAL :****MONTHLY ABSTRACT OF P.L.A./RG 23**

	(1)	(2)	(3)	(4)
	P.L.A.	R.G. 23A Pt. II	R.G. 23C Pt. II	Total Col. (2) & (3)
	Basic Additional Cess	Basic Additional	Basic Additional	Basic Additional
	(1)	(2)	(3)	(4)
(i) Opening balance at the beginning of the month/period				
(ii) Deposit by direct cash/cheque				
(iii) Credits under MODVAT				
SCHEME :				
(a) by way of Central Excise duty				
(b) by way of Additional Customs duty				

- (iv) Miscellaneous credits
- (v) Total
- (vi) Debit during the month/period
- (vii) Closing Balance

Note :—Where goods are subject to additional duties of excise under more than one enactment separate figures should be shown, for example in respect of textiles goods, separate figures may be indicated in respect of Additional Duties of Excise under Goods of Special Importance Act and Additional Excise Duty under Textile and Textile Articles Act.

(b) in “FORM R.G. 23A”, for “PART II”, the following shall be substituted, namely :—

PART—II

ENTRY BOOK OF DUTY CREDIT

S.No.	Date	Opening Balance of duty in credit		Fresh Credit allowed (4 to 6)			Fresh credit allowed Amount of duty credited (7)			
		Basic	Other	ARI/	Excise	Range/	Folio and	Basic	Additional	Other
		Excise duty and Additional duty of Customs equivalent to Basic Excise Duty	Duties (specify)	Invoice/ other approved document/ Bill of Entry No. and date	Control Code No. of suppli- ers	Division/ Custom House from where received	Entry No. in Part-I	Excise Duty	Duty of Customs equivalent to Basic Excise Duty	Duties (specify)
1	2	3(a)	3(b)	4(a)	4(b)	5	6	7(a)	7(b)	7(c)
Total Credit available (3)+(7)		Debit (9) to (11)		Balance of Credit			Remarks			
Basic Excise Duty and Additional Duty of Customs equivalent to Basic Excise Duty	Excise	Other Duties (specify)	ARI/ Invoice/ other approved document No. and Date	Central Excise Tariff Heading/ Sub-heading No.	Excise Control Code No. of the buyer	Basic Excise duty (specify)	Basic Excise Duty and Additional Duty of Customs equivalent to Basic Excise Duty	Other Duties (specify)	Central Excise Officer's initials	
8(a)	8(b)	9(a)	9(b)	9(c)	10	11	12(a)	12(b)	13	14

(c) in "FORM RG. 23C", for PART II, the following shall be substituted, namely :—

PART—II

Entry Book of duty credit on capital goods

Sl. No.	Date	Opening balance of duty in credit	Document particulars of fresh credit allowed			Amount of fresh credit allowed		
			ARI/Invoice other approved document/ Bill of Entry No. and date	Excise Control Code No. of supplier	Range/ Division/ Custom House from where received	Folio and entry Number in Part I	Basic duty	Excise Additional duty of Customs
1	2	3	4(a)	4(b)	5	6	7(a)	7(b)
Total credit available		ARI/Invoice/ other approved document No. and date	Central Excise Tariff Heading/Sub-Heading No.	Debit Excise Control Code Number of buyer	Amount of Basic Excise duty	Balance of Credit	Central Excise Officer's initials	Remarks
8		9(a)	9(b)	9(c)	10	11	12	13

[F. No. 206/1/96-CX6]
I. P. LAL, Dy. Secy.

